UP Board Notes Class 7 sanskrit chapter 1 पुनरावलोकनम्

शब्दार्थाः- निवसति = निवास करता है, पाठयति = पढ़ाता है, कुर्वन्ति = करते हैं, वेदाभ्यासम् = वेदों का अभ्यास, धेनुः = गाय, गोष्ठे = गोशाला में, मधुकोषेषु = मधुमक्खियों के छत्तों में, परिणमति = रूपान्तरित होता है, परिवर्तित होता है, पात्रयोः = दो पात्रों में।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
मुनिः आश्रमे निवसति।	मुनी आश्रमे निवसतः।	मुनयः आश्रमे निवसन्ति।
मुनि आश्रम में रहता है।	**(दो) मुनि आश्रम में रहते हैं।**	**(बहुत से) मुनि आश्रम में रहते हैं।**
गुरुः शिष्यान् पाठयति।	गुरुः कुट्यां निवसतः।	गुरवः योगाभ्यासं कुर्वन्ति।
गुरु शिष्यों को पढ़ाता है।	**(दो) गुरु कुटिया में निवास करते हैं।**	**(बहुत से) गुरु योगाभ्यास करते हैं।**
पिता फलं ददाति।	पितरौ फलानि दत्तः।	पितरः फलानि ददति।
पिता फल देता है।	**(दो) पिता फल देते हैं।**	**(बहुत से) पिता फल देते हैं।**
नदी प्रवहति।	नद्यौ प्रवहतः।	नद्यः प्रवहन्ति।
नदी बहती है।	**(दो) नदियाँ बहती है।**	**(बहुत से) नदियाँ बहती हैं।**
धेनुः पश्चति।	धेनू पश्यतः।	धेनवः क्षेत्रे चरन्ति।
गाय देखती है।	**(दो) गायें देखती है।**	**(बहुत से) गायें खेत में चरती है।**
माता जलम् आनयति।	मातरौ जलम् आनयतः।	मातरः जलम् आनयन्ति।
माता जल लाती है।	**(दो) माताएँ जल लाती हैं।**	**(बहुत से) माताएँ जल लाती हैं।**
दधि पात्रे अस्ति।	दधिनी पात्रयोः स्तः।	दधीनि पात्रेषु सन्ति।
दही बर्तन में है।	**दही (दो) पात्रों में है।**	**दही (बहुत से) पात्रों में है।**
मधु पुष्पोषु भवति।	मधुनी पात्रयोः स्तः।	मधूनि मधुकोषेषु सन्ति।
शहद फूलों में होता है।	**शहद दो पात्रों में है।**	**शहद (बहुत से) मधुमक्खियों के छत्तों में**

https://www.evidyarthi.in/